

साजात्य पुं. (तत्.) सजात या सजाति होने की अवस्था, गुण या भाव जो वस्तु के दो प्रकार के धर्मों में से एक है, वैजात्य का विपर्यय।

साजिंदा पुं. (फा.) किसी गायक के साथ साज़ बजाने वाला या संगत करने वाला वादक।

साजिया वि. (फा.) सजाने वाला।

साजिश स्त्री. (फा.) षडयंत्र, कुचक्र, दुष्ट उद्देश्य की सिद्धि के लिए होने वाली अभिसंधि।

साजिशी वि. (फा.) 1. जिसमें किसी प्रकार की साजिश हो 2. साजिश करने वाली, कुचक्री।

साजि-साजि क्रि.वि. (देश.) सजा-सजाकर।

साजुज्य पुं. (देश.) सायुज्य, मुक्ति।

साझा पुं. (तद्.) 1. व्यापार आदि के लिए किसी काम में कुछ लोगों को मिलाकर रुपए लगाने, परिश्रम या व्यवस्था करने और उससे होने वाले हानि-लाभ के आंशिक रूप से दायी और अधिकारी होने के लिए आपस में होने वाला समझौता, हिस्सेदारी, भागीदारी।

साझा-पत्ती स्त्री. (तद्.) 1. किसी कार्य या व्यापार में होने वाला साझा या हिस्सेदारी 2. कुछ लोगों में किसी चीज का होने वाला बँटवारा।

साझी पुं. (तद्.) साझेदार।

साझेदार पुं. (तद्.+फा.) 1. शरीक होने वाला, हिस्सेदार, साझी 2. व्यापार आदि में साझा करने वाला व्यक्ति, हिस्सेदारी।

साझेदारी स्त्री. (तद्.+फा.) साझेदार होने की व्यवस्था या भाव, हिस्सेदारी, शराकत।

साट¹ पुं. (देश.) 1. विक्रय 2. विनिमय, अदला-बदली या लेन-देन 3. व्यापार या सट्टा।

साट² स्त्री. (देश.) सहने की क्रिया या भाव।

साटक¹ पुं. (तद्.) प्रदर्शन।

साटक² पुं. (तद्.) वेश-विन्यास, परिधान, पहनावा।

साटक³ पुं. (तद्.) एक प्रकार का ग्राम-नाट्य, सट्टक उदा. सब फोकट साटक है तुलसी अपनो न कछू सपनो दिन दवै- तुलसी।

साटक⁴ पुं. (देश.) अन्न आदि की भूसी।

साटन स्त्री. (देश.) एक प्रकार का रेशमी कपड़ा जो एक ओर से चमकदार होता है।

साटना¹ स.क्रि. (देश.) सटाना, मिलाना, चिपकाना।

साटना² अ.क्रि. (देश.) कष्ट उठाना।

साटनी स्त्री. (देश.) भालू का नाच, कलंदर।

साटा पुं. (तद्.) 1. सट्टाबाजी अथवा इसी प्रकार के किसी अन्य अनुचित तथा निंदनीय उपाय से अर्जित किया हुआ धन 2. अदला-बदली, परिवर्तन, विनिमय।

साटि स्त्री. (तद्.) 1. सट्टा, सौदा उदा. जब रे मिलैगा परिखूँ, तब हीराँ की साटि-कबीर 2. मोल-भाव।

साटी स्त्री. (तद्.) 1. साथ रहने वाली चीजें 2. सामग्री, सामान।

साटे क्रि.वि. (देश.) बदले में, परिवर्तन।

साटोप वि. (तत्.) 1. घमंड से फूला हुआ 2. गरजता हुआ बादल।

साठ वि. (तद्.) जो गिनती में पचास से दस अधिक हो पुं. उक्त की सूचक संख्या जो इस प्रकार लिखी जाती है ६०-60।

साठ-गाँठ पुं. (देश.) कपटपूर्ण संधि, मिली भगत।

साठसाती स्त्री. (देश.) साढ़ेसाती।

साठा वि. (तद्.) जिसकी अवस्था साठ वर्ष की हो गई हो, साठ वर्ष की उम्रवाला उदा. साठा सो पाठा पुं. (देश.) 1. बहुत बड़ा या लंबा चौड़ा खेत 2. एक प्रकार की मधुमक्खी जिसे सठपुरिया कहते हैं।

साठी पुं. (तद्.) एक छोटा और मोटा धान जो कुछ लाली लिए होता है और साठ दिन में पक जाता है।